सक्सेस मिरर

वर्ष : 8
अंक : 90
जुलाई : 2017

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | गुणवत्ता प्रचुरता से अधिक महत्वपूर्ण
8 | समसामयिकी घटना संग्रह
9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 आर्थिक घटना संग्रह

- रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने सुपर हाईटेक तेजस एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी
- पेटीएम ने पेमेंट बैंक की शुरूआत की
- भारत बना दूसरा सबसे बड़ा स्टेनलेस स्टील उत्पादक देश
- डाक विभाग ने 'पोस्टमैन' एप्प आरम्भ किया

23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- कर्नाटक देश का सबसे भ्रष्ट राज्य घोषित : सर्वेक्षण
- स्वच्छ भारत सर्वेक्षण में इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर
- दुनिया का सबसे ऊँचा रेल पुल चिनाब नदी पर बनेगा

27 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत-साइप्रस के मध्य चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए
- विश्व के कई देशों में रेनसमवेयर वायरस का हमला, कम्प्यूटर ठप
- भारत-चिली के मध्य विस्तारित कारोबार समझौता लागू

31 खेल खिलाड़ी

- मुम्बई इंडियन्स ने आईपीएल-10 का खिताब जीता

- आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भारत पहले स्थान पर बरकरार
- फीफा रैंकिंग में भारत को मिला 100वाँ स्थान

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

39 | अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी—क्रायोजेनिक तकनीक में आत्मनिर्भरता
41 | सामयिक लेख—सम्भावनाओं के द्वार खोलता ई-कचरा
42 | सीमा विवाद लेख—अरुणाचल पर चीन की बुरी नजर
43 | द्विपक्षीय सम्बन्ध—तीस्ता के जल बँटवारे का नहीं हुआ समाधान
44 | आगामी बिहार राज्य की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
101 | केन्द्रीय मंत्रिपरिषद्
102 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
104 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-87 का परिणाम
105 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

46 | रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016
70 | हिमाचल प्रदेश पटवारी चयन परीक्षा, 2016
78 | एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकेण्डरी लेवल (10 + 2) परीक्षा, 2016 (चरण-1)
84 | आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
92 | आगामी बिहार शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न (द्वितीय प्रश्न-पत्र : कक्षा VI से VIII तक)

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.

➲ सम्पादक : महेन्द्र जैन
➲ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
➲ सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन- 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स- (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002
फोन- 011-23251844/66

➲ पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना- 800 004
फोन- 0612-2673340
मो- 09334137572

➲ कोलकाता ऑफिस
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No.
15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता- 700 003 (W.B.)
मो- 07439359515

➲ हैदराबाद ऑफिस
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर.
टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद- 500 036
(तेलंगाना) मो- 9391487283

➲ हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला-नैनीताल- 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो- 07060421008

➲ इन्दौर
63-64, कैलाश मार्ग,
ग्राउण्ड फ्लोर,
श्रीजी एवेन्यू, मलहारगंज,
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)
फोन- 9203908088

➲ लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ- 226 004
फोन- 0522-4109080
मो- 09760181118

➲ नागपुर ऑफिस
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)
फोन- 0712-6564222
मो- 09370877776

गुणवत्ता प्रचुरता से अधिक महत्वपूर्ण

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

अधिकांश लोग तादाद पर, मात्रा पर, संख्या बल पर अधिक ध्यान देते हैं बजाय गुणवत्ता के.

माना कि संख्या बल का भी अपना एक महत्व है. वह प्रचुरता का अहसास कराता है, किन्तु वास्तविक महत्व उसमें मौजूद गुणवत्ता का ही है. जहाँ गुणाधिक्य है, गुण हैं, वहीं स्थायित्व भी है. वहीं प्रामाणिकता भी है, वहीं प्रगति भी है. जहाँ प्रगति है वहाँ नवीनता है और जहाँ नवीनता है वहाँ सुरुचिपना है, वहाँ उल्लास है, आनन्द है, ताजगी भरा अहसास है.

चाहे आप किसी भी विषय क्षेत्र को ले लें, हमेशा गुणवत्ता ही राज करती है. जो गुणवान होता है वही स्वामी भी होता है. गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान देने वाला व्यक्ति ही लगातार विकसित भी हो पाता है. विकास की नींव गुणग्राहक दृष्टि पर टिकी है. जो सदा गुणों का प्रत्याशी है, गुणों का विकास करने को तत्पर है, योग्यता बढ़ाने को अभ्युत्थित रहता है, उसे अपनी राह से डिगाने वाला एक प्रमुख तत्व है—भीड़ का आकर्षण.

हमें जानना चाहिए कि क्या होती है भीड़ की मानसिकता?

(1) भीड़ सदा गैर जिम्मेदार होती है, वह कभी भी अपनी जिम्मेदारी खुद लेना नहीं चाहती. वह किसी अन्य की शरण तलाशती है, किसी अन्य से अपनी सुरक्षा चाहती है. सुरक्षा की गारन्टी पाना चाहती है इसीलिए उसे किसी अनुसरण करने के लिए बाध्य भी होना पड़ता है. किसी अन्य का गुलाम भी होना पड़ता है. जबकि वह इंसान जो 'काबिल' है, योग्य है, कभी भी अपनी जिम्मेदारी किसी अन्य पर नहीं लादता है. वह स्वयं को इस लायक बनाता है कि हर आगत परिस्थिति पर जिम्मेदाराना रवैया अपना सके. खुद को संभाल सके व औरों को भी संभालने वाला बन सके.

जिम्मेदारी लेने का तात्पर्य न केवल आर्थिक रूप से सक्षम बनना है वरन् सामाजिक व आन्तरिक रूप से भी सामर्थ्यवान बनना है. जो समर्थ है, सक्षम है, वे कभी भी भीड़ की तरह हाँके नहीं जा सकते. वे किसी अन्य द्वारा भ्रमित नहीं किए जा सकते. उन्हें अपनी समझ से जीना आता है. होशो-हवास पूर्वक बोलना व निर्णय करना आता है. यही कारण है कि गुणवान व्यक्ति की कद्र होती है, जबकि आन्तरिक व आर्थिक रूप से असक्षम हीन भाव ग्रस्त व्यक्तियों पर नेतृत्व किया जाता है.

(2) भीड़ में वैयक्तिकता नहीं होती, इसी कारण उसकी कभी मुक्ति नहीं होती.

जो गुणवान है, योग्य व काबिल है वह अपनी आन्तरिक प्रतिभा को खिला सकता है, अपनी निजता में जी सकता है, उसको किसी की नकल करने या अनुकरण करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, जबकि अधिकांश लोग नकलची होने के कारण ही भीड़ का हिस्सा बने रहते हैं. भीड़ को बलवान होने का भ्रम हो सकता है, किन्तु बलवान, तो केवल गुणवान व काबिल इंसान ही हो सकता है.